ROOTINDEXING
JOURNAL ABSTRACTING AND INDEXING SERVICE
INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
July-December 2023, Submitted in December 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान का अध्ययन

रश्मि दाधिच, शोधार्थी, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर
डॉ. पूनम मिश्रा, शोध पर्यवेक्षक, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर

सारांश

इस अध्ययन का उधेश्य महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना एवं समस्याओं के लिए समाधान प्रस्तुत करना था। प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। उद्धेश्यपरक विधि का अनुसरण करते हुए प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के लिए राजस्थान राज्य के बूंदी जिले के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वनिर्मित प्रश्नावली एवं साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया है। प्रदत्तों का विश्लेषण मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात के माध्यम से किया गया है। परिणाम में यह पाया कि ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर है।

मुख्य शब्दः- महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालय, समस्याएँ एवं समाधान।

प्रस्तावना

किसी भी राष्ट्र के विकास में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। यदि शिक्षा मूल्यवान है और छात्रों में सर्वोत्तम गुणों का विकास करेगी, तो निश्चित रूप से वह राष्ट्र आगे बढ़ता रहेगा। शिक्षा समाज में एक व्यक्ति के लिए एक आधारशिला है। शिक्षा एक व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक मानकों में अच्छी तरह से संतुलित एक सामंजस्यपूर्ण व्यक्तित्व में विकसित करती है। शिक्षा बच्चे के व्यवहार में संशोधन और प्रगति लाने के उद्देश्य से इंद्रियों का प्रशिक्षण है। यह एक ऐसा साधन है जिसके माध्यम से बच्चे में समग्र विकास लाने के लिए बच्चे के नैतिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक, सौंदर्य और शारीरिक कल्याण को संरचित किया जा सकता है। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था, ‘‘शिक्षा से मेरा तात्पर्य बच्चे और मनुष्य-शरीर मन और आत्मा में सर्वश्रेष्ठ से बाहर निकलने वाले बच्चे में सर्वांगीण विकास से है।‘‘

शिक्षा क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है। अंग्रेजी विश्वव्यापी भाषा है और अंतरराष्ट्रीय संचार का माध्यम है। यह शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान और विदेशी नीति आदि क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है। इससे अधिकतर विश्वविद्यालयों में अंग्रेजी भाषा का उपयोग अध्ययन के माध्यम के रूप में होता है। इसलिए, अंग्रेजी भाषा का ज्ञान शिक्षार्थियों को विश्वस्तरीय स्तर पर संचार करने और समझने की क्षमता प्रदान करता है।

अंग्रेजी भाषा की ज्ञान के माध्यम से, छात्रों को विश्व में विद्यालयों, क,लेजों और व्यापारिक संस्थानों में अध्ययन और रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार, संगठनात्मक कार्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, आईटी, जर्नलिज्म आदि क्षेत्रों में सफलता के लिए तैयार करता है। अंग्रेजी भाषा की व्यापकता और गुणवत्ता के कारण, विद्याथएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए अन्य देशों में जाते हैं। यह उन्हें विदेशी विद्यापीठों में प्रवेश प्राप्त करने और विदेशी छात्रों के साथ संपर्क में रहने की सुविधा प्रदान करता है। बढ़ती महंगाई के दौर में जहाँ हिंदी माध्यम की शिक्षा भी महंगी होती जा रही है, वहाँ माता-पिता का अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में दाखिला कराने का सपना अब राज्य सरकार की अभिनव पहल पर साकार हो रहा है। निजी विद्यालयों में लगने वाली भारी भरकम फीस को गरीब और कमजोर वर्ग चाह कर भी वहन नहीं कर पा रहा था। इसी उद्देश्य से राजस्थान में सत्र 2022-23 में अब तक एक हजार 700 से अधिक महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम विद्यालय खोले जा चुके हैं। जिनमें 3.50 लाख से ज्यादा बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में हर बच्चे का अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त करना आसान हो गया है।

समस्या का औचित्य

देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा के महत्व को देखते हुए और भी प्रयास किये जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ऐसी स्थिति में राजकीय विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम का वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्धेश्य से राज्य में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर ‘‘महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम)‘‘ कक्षा एक से बारहवीं तक, स्थापित किये गये हैं। ताकि राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी भी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। राजस्थान में शैक्षिक विकास को बढ़ाने के लिए अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने का निर्णय लिया गया। इन विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होने के कारण विद्यार्थियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अतः शोधार्थी ने इनकी समस्याओं को जानने के लिए तथा उनका समाधान प्रस्तुत करने के लिए इसे अपने अध्ययन हेतु चुना है।

अध्ययन का उधेश्य

1 ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना।
2 ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना।
3 ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1 ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2 ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
3 ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

SIS Scientific Indexing Services

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में उद्धेश्यपरक विधि का अनुसरण करते हुए प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के लिए राजस्थान राज्य के बूंदी जिले के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

प्रदत्त संकलन हेतु उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वनिर्मित प्रश्नावली एवं साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रदत्तों का विश्लेषण मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात के माध्यम से किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1- ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक : 1

ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	ब्र मान	परिणाम
ग्रामीण विद्यार्थी	200	16.34	5.21	5.41	0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
शहरी विद्यार्थी	200	19.80	7.39		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में अंतर को प्रस्तुत करती है। तालिका से ज्ञात होता है कि ग्रामीण महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों सम्मुख आने वाली समस्याओं का मध्यमान 16.34 तथा प्रमाणिक विचलन 5.21 है। दूसरी ओर शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का मध्यमान 19.80 तथा प्रमाणिक विचलन 7.39 है। मध्यमान और प्रमाणिक विचलन की सहायता से क्रांतिक अनुपात ;ब्रद्ध की गणना करने पर ब्र का मूल्य 5.41 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 398 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 1.97 है। क्रांतिक अनुपात का गणना किया मान, तालिका मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वींत होती है।

आरेख : 1

ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं के मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन

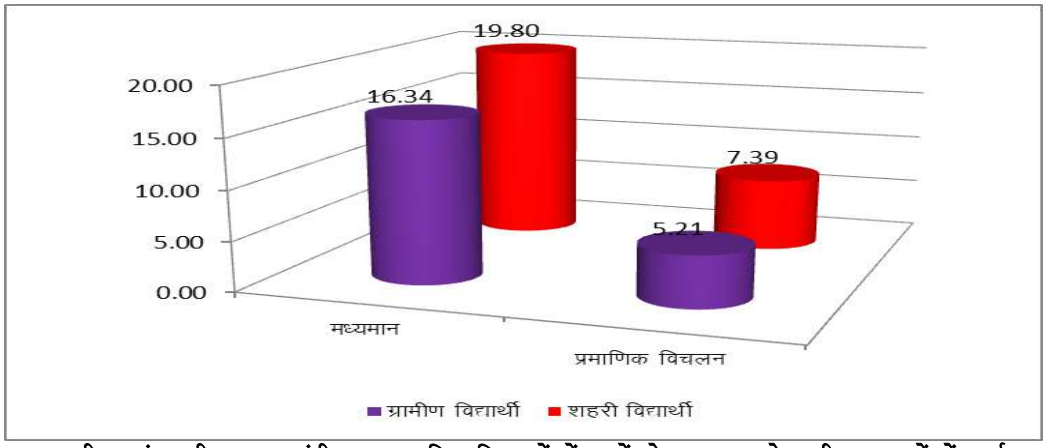

परिकल्पना 2- ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक : 2

ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	ब मान	परिणाम
ग्रामीण छात्र	100	15.22	6.18	3.34	0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
शहरी छात्र	100	18.83	8.87		

WIKIPEDIA
The Free Encyclopedia

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में अंतर को प्रस्तुत करती है। तालिका से ज्ञात होता है कि ग्रामीण महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों सम्मुख आने वाली समस्याओं का मध्यमान 15.22 तथा प्रमाणिक विचलन 6.18 है। दूसरी ओर शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का मध्यमान 18.83 तथा प्रमाणिक विचलन 8.87 है। मध्यमान और प्रमाणिक विचलन की सहायता से क्रांतिक अनुपात ;ब्द्ध की गणना करने पर ब का मूल्य 3.34 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 198 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 1.97 है। क्रांतिक अनुपात का गणना किया मान, तालिका मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वींत होती है।

आरेख : 2

ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के सम्मुख आने वाली समस्याओं के मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन

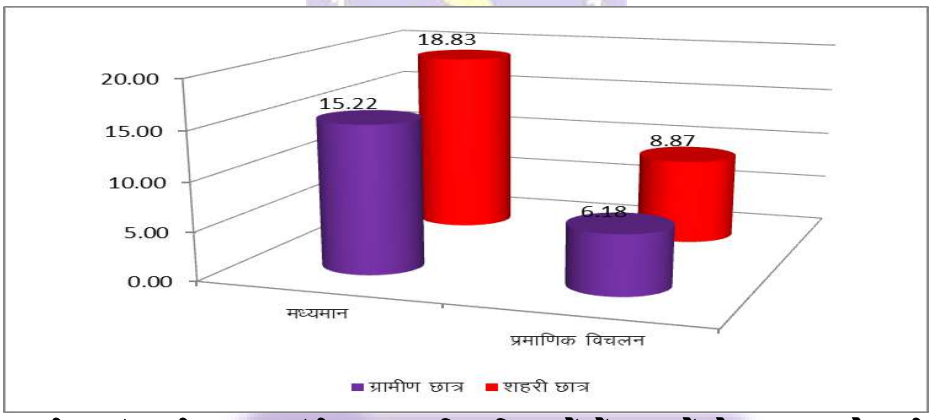

परिकल्पना 3- ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

ADVANCED SCIENCE INDEX
ADVANCED SCIENCES INDEX

तालिका क्रमांक : 3

ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	ब मान	परिणाम
ग्रामीण छात्राएँ	100	16.44	7.31	2.72	0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत

ROOTINDEXING
JOURNAL ABSTRACTING AND INDEXING SERVICE
INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
July-December 2023, Submitted in December 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

शहरी छात्राएँ	100	19.71	9.54		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं में अंतर को प्रस्तुत करती है। तालिका से ज्ञात होता है कि ग्रामीण महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं सम्मुख आने वाली समस्याओं का मध्यमान 16.44 तथा प्रमाणिक विचलन 7.31 है। दूसरी ओर शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं का मध्यमान 19.71 तथा प्रमाणिक विचलन 9.54 है। मध्यमान और प्रमाणिक विचलन की सहायता से क्रांतिक अनुपात ;ब्त्द्ध की गणना करने पर ब् का मूल्य 2.72 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 198 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मूल्य 1.97 है। क्रांतिक अनुपात का गणना किया मान, तालिका मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीत होती है।

आरेख : 4.3

ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्राओं के सम्मुख आने वाली समस्याओं के मध्यमान एवं प्रमाणिक विचलन

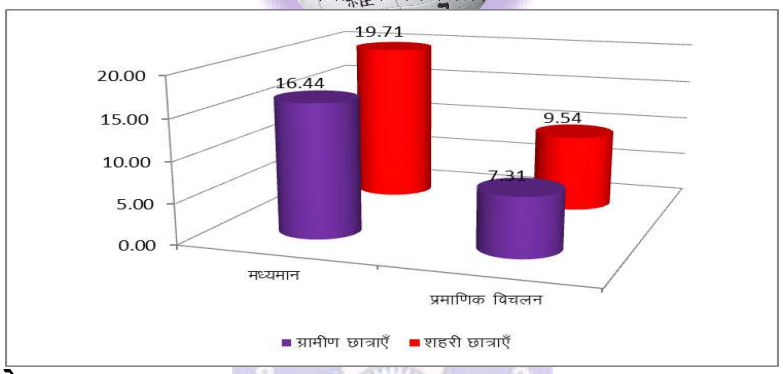

निष्कर्ष एवं समाधान हेतु सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन में महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का अध्ययन करने पर परिणामस्वरूप यह पाया कि ग्रामीण एवं शहरी महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं में सार्थक अंतर है। जिसका मुख्य कारण हिन्दी माध्यम से अंग्रेजी माध्यम होने विद्यार्थियों को भाषा समझने से सम्बन्धी कठिनाई हो रही है। विशेषतया हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों का माध्यम परिवर्तन होने के कारण विद्यार्थियों की विषय पर पकड़ कम हो रही है परन्तु सतत् अभ्यास एवं अंग्रेजी भाषागत कालांश लगाने से सुधार हो रहा है। विद्यार्थियों को गृह कार्य को करने में समस्या होती है, क्योंकि घर पर अभिभावक एवं अन्य परिवारजन उनकी सहायता करने में सक्षम नहीं होते हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अधिक से अधिक अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करना चाहिए। विद्यार्थियों में अंग्रेजी शब्दावली एवं व्याकरण का ज्ञान दिया जाना चाहिए। विद्यालय की दीवारों एवं बुलेटिन बोर्ड पर अंग्रेजी भाषा में सुविचार एवं सूचनाएँ लिखनी चाहिए। प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों से अंग्रेजी समाचार पत्र का वाचन करवाना चाहिए। अंग्रेजी भाषा में संप्रेषण कौशल के विकास हेतु कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

- एल,क (2020). चैलेन्जेज फेसिंग टीचिंग एट रूरल स्कूलः ए रिव्यू ऑफ रिलेटेड लिटेरेचर। *प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस वि त्मेमंतबी ंदक प्ददवअंजपवद पद ैवबपंस ैबपमदबमए* 4;5द्धए 211.218,
- अकमल (2019). चैलेन्जेज इन टीचिंग इंग्लिश एट रूरल एण्ड अरबन स्कूल एण्ड दिअर सोल्यूशन। *प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस वि ैबपमदजपपिब - ज्मबीदवसवहल त्मेमंतबीए* 8;10द्धए 3706.3710,
- बर्मन, अनिंदिता (2020). ए स्टडी ऑन प्रोब्लम्स फेस्ड बाय द टीचर्स इन सैकण्डरी लेवल। *प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस वि ैबपमदजपपिब ंदक त्मेमंतबी च्नइसपबंजपवदेए* 10;2द्धए 859.863,
- भुसाल, सुशीला (2015). चैलेन्जेज फेस्ड बाय टीचर्स इन टीचिंग इंग्लिश एट लोअर सैकण्डरी लेवल। शोध प्रबन्ध, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल। ीजजचेरूध्ध्मसपइतंतलण्जनबसण्मकनण्दचध्इपजेजतमंउध्123456789ध्14345ध्1ध्ंसस:20जीमेपेण्चकि
- चौधरी, प्रीति (2021). ए स्टडी ऑफ प्रोब्लम्स फेस्ड बाय ट्राइबल स्टुडेन्ट्स ऑफ आश्रम स्कूल्स। *ैपींेद ैदेवकींदरू श्रवनतदंस वि तजेए भ्नउंदपजपमे ंदक ैवबपंस ैबपमदबमए* 4;4द्धए 9.11,
- दास, काजल (2019). महिला शिक्षार्थियों की जीवन संतुष्टि के उत्प्रेरक के रूप में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) योजना के प्रभाव का अध्ययन। *त्मेमंतबी त्मअपमू प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस वि डनसजपकपेबपचसपदंतलए* 4;9द्धए 19.23,
- दास, नीना (2018) ने अंग्रेजी भाषा में एकलव्य म,डल आवासीय विद्यालयों में आदिवासी विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति और कार्यान्वयन की चुनौतियों पर अध्ययन। *व्दसपदम प्दजमतदंजपवदंस प्दजमतकपेबपचसपदंतल त्मेमंतबी श्रवनतदंसए* 8;2द्धए 244.250,

- डेविड और डैनियल (2022). चैलेन्जेज फेस्ड बाय प्राइमरी स्कूल इंग्लिश टीचर्स इन इंटीग्रेटिंग मीडिया टेक्नोलोजी इन द टीचिंग एण्ड लर्निंग ऑफ इंग्लिश। *ब्तमंजपअम म्कनबंजपवद*ए 13ए 1139.1153ण
- धामी, हयात सिंह (2021). चैलेन्जेज फेस्ड बाय बेसिक लेवल टीचर्स इन इंग्लिश मीडियम इंस्ट्रक्शन इंप्लीमेन्टेशन। ीजजचेरूध्ध्मसपइतंतलण्जनबसण्मकनण्दचध्ड्पजेजतमंउध्123456789ध्10895ध्1ध्जीमेपेण्चकि
- ज,र्ज, हैरी (2021). चैलेन्जेज फेस्ड बाय हिन्दी मीडियम स्टुडेन्ट्स ऑफ छत्तीसगढ़ व्हाइल पर्स्यूइंग होटल मैनेजमेन्ट एण्ड ह,स्पिटैलिटी कोर्सेस इन इंग्लिश लेंग्वेज। *प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस व ि म्कनबंजपवदए डवकमतद डंदंहमउमदजए ।चचसपमक ैबपमदबम - ैवबपंस ैबपमदबम*ए 3;3द्धए 78.84ण
- निलोफर (2022). स्टडी द रिलेशनशिप बिटवीन रूरल एण्ड अर्बन नवोदय स्कूल टिचर्स विद रेस्पेक्ट टू टीचिंग एडजस्टमेन्ट एण्ड ओर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट। *प्दजमतदंजपवदंस श्रवनतदंस व ि क्पअंदबमक ।बंकमउपब ैजनकपमे*ए 4;3द्धए 198.201
- पात्रा, संतोष कुमार (2018). एज्यूकेशनल स्टेटस ऑफ ट्राइबल चिल्ड्रन इन एकलव्य मॉडल रेजिडेन्शियल स्कूल्स इन उड़िया लेंग्वेज : स्ट्रेन्थ, कन्सर्न एण्ड कॉन्सोलिडेटेड फ्रेमवर्क फॉर एडवान्स इंप्लीमेन्टेशन। *व्दसपदम प्दजमतदंजपवदंस प्दजमतकपेबपचसपदंतल त्मेमंतबी श्रवनतदंस*ए 8;6द्धए 172.190ण
- रहमदानी, डेनी (2016). स्टुडेन्ट्स पर्सेप्शन्स ऑफ इंगिलश एज ए मीडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन इन इंगिलश क्लासरूम। *श्रवनतदंस वद म्दहसपेी ंदहनंहम थ्वतमपहद स्ंदहनंहम*ए 6;2द्धए 131.144

WIKIPEDIA
The Free Encyclopedia
SHRADHA EDUCATIONAL ACADEMY
ADVANCED SCIENCE INDEX
Scientific Indexing Services